om-11 INITIAL_Page 1 and 2 12-08-2014 11:59 Page 1

उपेक्षित व्यवहार लोगों के मन को कुंठित करता

यातायात एवं परिवहन प्रभाग द्वारा त्रीदिवसीय सम्मेलन का आयोजन।

ज्ञानसरोवर। कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते हुए दादी रतनमोहिनी, नितिन दोसा, गगन मोहन त्रिपाठी, जे.के. वर्मा, ब्र.कु. दिव्यप्रभा,संयोजिका,यातायात परिवहन विभाग, ब्र.कु. गीता तथा ब्र.कु. सुरेश,मुख्यालय संयोजक।

ज्ञानसरोवर। उपेक्षित व्यवहार से लोगों के मन को कुंठित करना पाप है। नियमों को ताक पर रखकर किए गए कार्य कभी संतोषजनक नहीं होते हैं। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ के यातायात प्रभाग द्वारा 'स्पीड सेफ्टी स्मीच्युअलटी' विषय पर आयोजित सम्मेलन में इंडियन ऑटोमोबाइल एसोसिएशन फेडरेशन के अध्यक्ष नितिन दोसा ने व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि अंत:करण में पनप रहे विविधता में एकता के विपरीत विचारों को समभाव में परिवर्तन करने से परिवार, समाज, देश के प्रति सेवा करने का जज़्बा पैदा होगा। समाज का उर्ध्वगमन तभी संभव है जब मनुष्य के विचारों में अध्यात्म का समावेश हो। सहज राजयोग से सामाजिक सेवाओं के लिए नि:स्वार्थ भाव से समर्पणमयता, ईश्वरीय चिंतन और विश्व कल्याण की भावनाएँ जागृत होती हैं।

गगन मोहन त्रिपाठी,मुख्य प्रबंधक, भुवनेश्वर पश्चिमी कोस्ट रेलवे ने कहा कि कोई भी कार्य करने के लिए वर्तमान में भविष्य की बातें सोचने से अनेक दुर्घटनाएँ घटित होती जा रही हैं। विभिन्न प्रकार की घटनाओं से जीवन को सुरक्षित रखने के लिए कार्य करते समय अपने मन में श्रेष्ठ विचारों को ही स्थान दिया जाना चाहिए।

जे.के. वर्मा,एस.डी.जी.एम. मुख्य सतर्कता अधिकारी,पश्चिमी मध्य रेलवे ने कहा कि जीवन में अनुभव की शक्ति सबसे बड़ी शक्ति है। हद के प्रलोभन की प्राप्ति से मन में पनप रही अशांति को समाप्त करने के लिए ईश्वर शिव पिता से अविनाशी संबंध जोड़ना ज़रूरी है। उन्होंने आगे कहा कि ब्रह्माकुमारी संगठन के नियमों व मर्यादाओं का पालन करने से जीवन जीने की कला में निखार आता है।

ब्र.कु. दिव्यप्रभा,राष्ट्रीय संयोजिका,यातायात सेवा प्रभाग ने कहा कि दूषित व अनावश्यक कामनाएँ जीवन में प्रतिशोध, घृणा और पद-प्रतिष्ठा की भूख बढ़ाकर मनुष्य के दिन के चैन और रात की नींद को छीन रही हैं। आध्यात्मिकता मनुष्य को जीवन जीने की कला सिखाती है। ब्र.कु. गीता,राष्ट्रीय संयोजिका,उद्योग सेवा प्रभाग ने कहा कि राजयोग का अभ्यास करने से मानव के प्रति सद्भावना, सहानुभूति, परस्पर सहयोग और भातृत्व की भावनाएँ जागृत होती हैं जिससे समाज में सुख, शान्ति, आनंद और पवित्रता का माहौल निर्मित करना संभव है। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. कुन्ती, ब्र.कु. बिन्दु, मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. सुरेश आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

साधनों का उपयोग करने के साथ साधना कम न हो

ज्ञानसरोवर। कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए सतीश आर.सोनी। साथ हैं ब्र.कु. कमलेश, गौरी शंकर गुप्ता, ब्र.कु. मीरा तथा अन्य।

ज्ञानसरोवर। जीवन एक मधुर यात्रा है, हम सभी इस यात्रा को खुशियों से भर सकते हैं। कहा गया है कि जैसा हम सोचते हैं वैसा ही होता है। अगर हम यह तय कर लें कि हमें आनंदित ही रहना है तो हम ज़रूर वैसा कर सकते हैं। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ के शिपिंग एवं एवीएशन प्रभाग द्वारा आयोजित अखिल भारतीय सम्मेलन में शिपिंग एवं एवीएशन प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु. मीरा ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि हम अपने वर्तमान को सुधारकर अपना भविष्य सुधार सकते हैं। सदा काल की खुशी के लिए हमें स्वयं को जानना ज़रूरी है।

ट्रिनीडाड और टोबैगो में भारतीय उच्चायोग के उच्चायुक्त गौरी शंकर गुप्ता ने ब्रह्माकुमारी संस्था के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मनुष्य कभी न कभी स्वयं से यह ज़रूर पूछता है कि मैं कौन हूँ और मैं कहाँ से आया हूँ? आपको अपने इस प्रश्न का उत्तर यहाँ से प्राप्त होगा। हमें भौतिकता से उपर उठकर सोचने की जरूरत है।

सतीश आर.सोनी,सह प्रबंध निदेशक, महाराष्ट्र टूरिज़्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने कहा कि मैं यहाँ पर आकर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। इस सम्मेलन का विषय भी कितना सुंदर है: जीवन का आनंद। पर्यटन आनंद प्रदान करने का एक विशेष माध्यम है। बिना किसी चार्ज के यहाँ कितना महान कार्य चल रहा है। हम धन्य हैं।

संजय जैन,जी.एम.,एयर पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने ऐसा अवसर प्रदान करने हेतु धन्यवाद देते हुए कहा कि हमें स्वयं के भीतर ही झांकने और ढूँढ़ने से खुशियों की प्राप्ति होगी। यहां उसकी विधि सहज बताई जा रही है।

भानू प्रताप सिंह,सहायक निदेशक,राज. टूरिज़्म डिपार्टमेंट ने कहा कि पर्यटन के बिना जीवन अधूरा है। यह अध्यात्म से जुड़ी संस्था जीवन के हर क्षेत्र में काफी संजीदगी से अपनी सेवाएं देती है। मैं इस संस्था का बहुत आभारी हूँ। इस संस्था ने आबू पर्वत का नाम देश विदेश तक पहुँचा दिया है। ब्र.कु. सुमन,मुख्यालय संयोजक ने भी संबोधित किया।

प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. शशि ने कहा कि सर्वमान्य संस्कृति के खेलों के माध्यम से विश्व बंधुत्व की भावनाओं को बल मिलने के साथ संबंधों को सुधारने का कार्य भी करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय एथलीट राजिया शेख ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ब्रह्माकुमारी संगठन द्वारा खेलों के माध्यम से जिन मूल्यों को प्रसारित किया जा रहा है उनकी बदौलत समाज का एक बड़ा वर्ग आज अपने को गौरवान्वित महसूस करता है। इसलिए मूल्यों को किसी भी हालत में नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए। मुख्यालय संयोजक जगबीर सिंह ने खेलों में खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों के मध्य सद्भाव बनाए रखने के उपाय सुझाए। राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. अंजलि,हैदराबाद ने राजयोग के अभ्यास से मानसिक एकाग्रता को बढ़ाने की विधि पर प्रकाश डाला।

भेदभाव को समाप्त करते हैं खेल

ज्ञानसरोवर-माउण्ट आबू। खेल एक ऐसा विषय है जो रंग, रूप, देश, धर्म, भाषाओं की सीमाओं को लांघकर सभी प्रकार के भेदभाव को समाप्त कर रिश्तों को मजबूत करता है। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ के खेल सेवा प्रभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी धनंजय महाधिक ने व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि खेल देशों के आपसी संबंध सुधारने का जरिया है। ब्रह्माकुमारी संगठन ने समाज के हर वर्ग के साथ जुड़कर मूल्यों को बढ़ावा देने की जो मुहिम छेड़ी है, उससे न केवल देश में बल्कि विदेश के खिलाड़ियों को भी भारतीय संस्कृति से जोड़ने का गौरव हासिल किया है।

हैदराबाद खेल प्रशासन अधिकारी नरसैय्या के. ने कहा कि विदेशी संस्कृति के बीच भारतीय संस्कृति को प्रचारित करने का खेल भी अहम माध्यम है। खिलाड़ियों को अपने देश की सांस्कृतिक परंपराओं को निर्वहन करने के भरसक प्रयास करने चाहिए।

ज्ञानसरोवर निदेशिका डॉ. निर्मला ने कहा कि खेलों में सद्भावना का माहौल बनाए रखने के लिए अध्यात्म एक सशक्त माध्यम है। अध्यात्म जाति-पाति सहित अनेक प्रकार के भेदभावों को समाप्त कर आपसी सौहार्द को बढ़ाता है।

खेल सेवा प्रभाग अध्यक्ष डॉ. बसवराजऋषि ने कहा कि आध्यात्मिक मूल्यों से सम्पन्न खिलाड़ी देश के सम्मान के लिए कड़ी मेहनत व प्रमाणिकता से किए गए परिश्रम के साथ अपना सबकुछ दांव पर लगा देता है। जिसके लिए जीवन के हरेक क्षेत्र में कामयाबी के द्वार स्वत: खुल जाते हैं।

ज्ञानसरोवर। कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते हुए खेल प्रभाग की संयोजिका ब्र.कु. शशिप्रभा, धनंजय महाधिक, ब्र.कु. जगबीर, ब्र.कु. डॉ. निर्मला, खेल प्रभाग के अध्यक्ष बसवराज, राजिया शेख तथा अन्य।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510
सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088, Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/12-14, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2013-14, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 14th Aug 2014
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.वी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।